दैनिक पाठ योजना – 2: कबीर दास जीवन परिचय (गद्य)

विवरण	जानकारी
विद्यालय का नाम	… (विद्यालय का नाम) …
छात्रध्यापक का नाम	… (छात्रध्यापक का नाम) …
कक्षा	9वीं (या उपयुक्त)
विषय	हिन्दी
कालांश	1 (या उपयुक्त)
प्रकरण	कबीर दास जीवन परिचय (गद्य)
दिनांक	… (दिनांक) …
समयावधि	35 मिनट

शिक्षण उद्देश्य और अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन

शिक्षण उद्देश्य	विशिष्टीकरण	अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
1 ज्ञानात्मक	प्रत्याभिज्ञान	विद्यार्थी **कबीर दास** के जीवन से संबंधित जानकारी का प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।
2 अवबोधात्मक	प्रत्यास्मरण, बोध करना, व्याख्या करना	विद्यार्थी कबीर दास के जीवन से संबंधित जानकारी का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे। विद्यार्थी कबीर दास के **सामाजिक विचारों** का महत्व बता सकेंगे। विद्यार्थी कबीर दास के **जीवन दर्शन** के बारे में व्याख्या कर सकेंगे।
3 ज्ञानोपयोगी	ज्ञान का उपयोग, विश्लेषण, कौशल विकसित करना	विद्यार्थी कबीर दास के विचारों से संबंधित ज्ञान का उपयोग दैनिक जीवन में कर सकेंगे। विद्यार्थी उनके साहित्यिक योगदान का **विश्लेषण** कर सकेंगे। विद्यार्थी **चार्ट/रेखाचित्र** (उनके जीवनकाल) बना सकेंगे।
4 कौशलात्मक	वर्गीकरण	विद्यार्थी कबीर दास के **साहित्य** (जैसे- साखी, सबद, रमैनी) को वर्गीकृत कर सकेंगे।
5 अभिरुचि	सकारात्मक, सृजनात्मक,	विद्यार्थी विषय वस्तु से संबंधित **रुचि** विकसित कर सकेंगे। विद्यार्थी कबीर दास के विचारों पर

	विचार-विमर्श करना	**विचार-विमर्श** कर सकेंगे। विषय के प्रति **सकारात्मक दृष्टिकोण** उत्पन्न कर सकेंगे। **सृजनात्मक दृष्टिकोण** उत्पन्न कर सकेंगे।

शिक्षण विधियाँ, सहायक सामग्री एवं पूर्वज्ञान

- **शिक्षण विधियाँ:** व्याख्यान विधि, प्रश्नोत्तर विधि
- **शिक्षण सहायक सामग्री:** चार्ट (कबीर दास का जीवन-परिचय दर्शाते हुए), चॉक, झाड़न, लपेट-फलक (रोलर बोर्ड), संकेतक।
- **पूर्वज्ञान:** छात्र कबीर दास जी के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

📝 **प्रस्तावना**

क्र. सं.	छात्रध्यापक क्रियाएँ	विद्यार्थी क्रिया
1	भक्तिकाल के निर्गुण धारा के किसी कवि का नाम बताइए।	कबीर दास, गुरु नानक, रैदास
2.	कबीर दास जी की कुछ रचनाओं के नाम बताइए।	साखी, सबद, रमैनी (बीजक)
3.	कबीर दास जी का जन्म कब और कहाँ हुआ माना जाता है?	सन 1398 में काशी में (लहरतारा के पास)

https://...classes.in

4. कबीर दास के जीवन परिचय से आप क्या समझते हैं? **समस्यात्मक**

उद्देश्य कथन: अच्छा छात्रों, आज हम **कबीर दास के जीवन परिचय** के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

✍️ प्रस्तुतीकरण (पाठ विकास)

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	विद्यार्थी क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित गति, लय, यति, आरोह-अवरोह का अर्थ बताते हुए आदर्श वाचन करेंगे।	विद्यार्थी रुचि लेते हुए सुनेंगे।	... (मुख्य बिंदु बाद में लिखे जाएंगे) ...
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक विद्यार्थियों को अनुकरण वाचन करने के लिए कहेंगे।	विद्यार्थी अनुकरण वाचन करेंगे।	...
अशुद्धि संशोधन	छात्राध्यापक अन्य बालकों की सहायता से **अशुद्धि संशोधन** करवाएँगे।	विद्यार्थी छात्राध्यापक की सहायता से अशुद्धि संशोधन करेंगे।	...

https://rlkclasses.in

कठिन्य निवारण	छात्राध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर लिखेंगे। **उदाहरण:-** • **आडंबर** – पाखंड • **निर्गुण** – निराकार • **कुठाराघात** – कड़ा प्रहार	विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।	**कठिन शब्दार्थ-** • आडंबर – पाखंड • निर्गुण – निराकार • कुठाराघात – कड़ा प्रहार

💡 **बोध प्रश्न और मूल्यांकन-**

प्रकार	प्रश्न	अपेक्षित उत्तर
बोध प्रश्न	कबीर के गुरु कौन थे?	स्वामी रामानंद
	कबीर किस प्रकार के ईश्वर में विश्वास रखते थे?	निर्गुण (निराकार/सर्वोच्च ईश्वर)
मूल्यांकन प्रश्न (विकल्प चुनिए)	कबीरदास जी की पत्नी का नाम क्या था? (अ) नीमा (ब) लोई (स) कमाली (द) रामा	(ब) लोई

https://nkclasses.in

रिक्त स्थानों की पूर्ति	कबीर दास जी **सामाजिक आडंबरों** के विरोधी थे।	सामाजिक आडंबरों
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न	कबीर दास ने अपनी रचनाओं में किन बातों का खंडन किया?	अंधविश्वास, जाति-पाति, पाखंड और ढोंग का खंडन किया।

🏡 **गृहकार्य**

कबीर दास के सामाजिक विचारों के बारे में आप और क्या जानते हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

पर्यवेक्षक रिप्पणी **पर्यवेक्षक हस्ताक्षर**

https://rlkclasses.in